कथा सरिता

इसे ना गंवायें

एक छोटे से बालक को भगवान से मिलने की ज़िद थी। वह बालक माता-पिता से पूछता तो माता-पिता उसे रोज़ एक नई छवि दिखा देते भगवान की। बालक के हृदय में भगवान से मिलने की लगन बढ़ती ही गई। बच्चों का मन निर्मल होता है, कोई लम्बी डिमांड होती नहीं उनकी भगवान से। उस बालक को तो भगवान के साथ बैठकर एक रोटी खानी थी, बस इसी में उसकी तृप्ति थी।

एक दिन वह बालक खुद भगवान को खोजने निकल पड़ा। उस बालक ने साथ में 6 रोटियाँ रख ली। चलते-चलते वह एक नदी के तट पर पहुंचा जहाँ एक बुज़ुर्ग माता बैठी हुई दिखी, उनकी आँखों में प्रेम था, किसी की प्रतीक्षा थी। बालक को लग रहा था जैसे ये उसी की राह देख रही हो। वह उनके पास जाकर बैठा, उनको रोटी दी और खुद भी खाई।

यही तो उसकी अभिलाषा थी, भगवान के साथ बैठकर रोटी खाने की।

बुज़ुर्ग माता के झुर्रियों वाले चेहरे पर खुशी आ गई, आँखों में खुशी के आँसू भी थे। दोनों ने आपस में प्यार और स्नेह के पल बिताये। रात घिरने लगी तो वह बालक अपने घर की ओर चला गया। उस बालक के गायब रहने से घर में तो कोहराम मचा था।

जब वह घर पहुंचा तो माँ ने प्यार से गले लगा लिया और चूमने लगी। आज वह बालक बहुत खुश था।

माँ ने उसे इतना खुश पहली बार देखा तो खुशी का कारण पूछा।

बालक ने बताया: `माँ, आज मैंने भगवान के साथ रोटी खाई, पर भगवान बहुत बूढ़े हो गये हैं, मैं आज बहुत खुश हूँ माँ...'!

उधर बुज़ुर्ग माता भी जब अपने घर पहुँची तो गांव वालों ने उन्हें अतिशय खुश देखकर, कारण पूछा।

वह माता बोली: मैं दो दिन से नदी तट पर अकेली भूखी बैठी थी, मुझे पता था भगवान आएंगे और मुझे खाना खिलाएंगे। आज भगवान आए, उन्होंने मेरे साथ बैठकर रोटी खाई। जाते समय मुझे गले भी लगाया। भगवान बहुत ही मासूम हैं, बच्चे की तरह दिखते हैं'।

प्रभू मूरत देखी तिन तैसी...

परोपकार का आत्मिक आनंद भी ईश्वर की अनुभूति है, इसे मत गंवायें।

भागते पेड़

एक 24 साल का लड़का ट्रेन में अपने पापा के साथ बैठा था। अचानक खिड़की के बाहर देख कर वो ज़ोर से चिल्लाया, `पापा, देखो... सारे पेड़ पीछे भाग रहे हैं!' उसके पापा ने उसे प्यार से देखा और मुस्करा दिए।

बगल की सीट पर जो लोग बैठे थे उन्हें एक जवान लड़के का ये बचकाना व्यवहार बड़ा अजीब लगा। उनमें से एक से रहा नहीं गया और उसने उस लड़के के पापा से पूछा, `आपका बेटा क्या मानसिक रूप से कम अकल है? आप इसे किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाते क्यों नहीं?

उस लड़के के पापा ने जवाब दिया, `हाँ, मैं अभी-अभी इसे चेन्नई शंकर नेत्रालय से दिखाकर ही ला रहा हूँ। वहाँ इसकी आँखों का ऑपरेशन हुआ है और इसकी रोशनी 20 साल बाद वापस आई है जो बचपन में एक चोट लगने से चली गई थी। आज वो दुनिया को फिर से देख सकता है'।

भावार्थ है कि किसी को देख कर बिना हकीकत जाने कमेंट मत करो। हर किसी की अपनी एक कहानी है, उसे पहले जानो। हो सकता है तुम्हारी भी आँखों के सामने पड़ा परदा हट जाए और तुम्हें सच्चाई पता चल जाए और तुम आश्चर्यचकित रह जाओ।

कैसी हो सोच?

एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गये, वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए पानी मांगा, उस व्यक्ति ने उन्हें पानी पिलाया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आये हैं लेकिन चूंकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूँ। यह कहकर यमराज ने उसे एक डायरी देकर कहा, तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है, इसमें तुम जो भी लिखोगे वही होगा, लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहाँ लिख दिया कि पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है, उसने लिख दिया कि वह चुनाव हार जाये। इसी तरह वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पेन उठाया, यमराज ने उसके हाथों से डायरी ले ली और कहा, वत्स! तुम्हारा 5 मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपना पूरा समय दूसरों का बुरा करने में निकाल दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया। अतः तुम्हारा अंत निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया, लेकिन सुनहरा समय निकल चुका था।

यदि ईश्वर ने आपको कोई शक्ति प्रदान की है तो कभी किसी का बुरा न सोचो, न करो। दूसरों का भला करने वाला सदा सुखी रहता है और ईश्वर की कृपा सदा उस पर बनी रहती है।

प्रण लें, आज से हम किसी का बुरा नहीं करेंगे।

कोलकाता-रायबगान। गिरीश घोष मुक्त नाट्य मंच में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं साधन पाण्डे,मिनिस्टर,कन्ज़्यूमर अफेयर्स, ब्र.कु. बिन्दु तथा अन्य।

चण्डीगढ़। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'राजयोगा फॉर पीस एंड हैप्पीनेस इन डेली लाइफ' विषयक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संजय टंडन,स्टेट प्रेसीडेंट,भाजपा, डॉ. राकेश शर्मा,डायरेक्टर,आयूष,पंजाब, ब्र.कु.शीलू,माउण्ट आबू, जस्टिस ए.एन. जिन्दल, ब्र.कु. प्रकाश,माउण्ट आबू व अन्य।

जम्मू। मौलाना आज़ाद स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'आयूष' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए भाजपा नेता डॉ. जीतेन्द्र सिंह, मंचासीन हैं ब्र.कु. सुदर्शन व अन्य गणमान्य जन।

नांगल डैम-पंजाब। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ऑफिसर्स क्लब ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए निर्लेप सिंह,जेनरल मैनेजर इन-चार्ज, एस.के. शुक्ला,जी.एम.,ओ एंड एम,एन.एफ.एल, ब्र.कु. शीलू,माउण्ट आबू, ब्र.कु. प्रकाश,माउण्ट आबू व ब्र.कु. रीमा।

गोरखपुर-उ.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए मेयर सत्य पाण्डे, ब्र.कु. पुष्पा तथा अन्य अतिथिगण।

डिबरूगढ़-असम। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. बिनीता। साथ हैं ब्र.कु. बिधान व अतिथिगण।